

रांची

गुरुवार, वर्ष 09, अंक 329

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



जोहार साथियों,

झामुमो-कांग्रेस के ठगबंधन की इस भ्रष्ट और जन विरोधी सरकार ने झारखंड की जनता को खून के आंसू रोने पर मजबूर कर दिया है। दलाल-माफिया और भ्रष्ट अफसर, घुसपैठियों के तुष्टिकरण में लीन परिवारवादी ताकतों के साथ मिलकर हमारी **रोटी-बेटी-माटी** की लूट मचा रहे हैं। प्रत्येक प्रदेशवासी के दिल में परिवर्तन की लहर गूंज उठी है। जन-आकांक्षाओं की आश बनकर भाजपा, परिवर्तन रैली के जरिए हर प्रखंड, हर घर, हर परिवार तक पहुंचेगी। हम हर एक झारखंडवासी को आश्वस्त करते हैं कि **रोटी-बेटी-माटी** को बचाने का एक ही विकल्प है, भाजपा

आईए साथ जुड़ें, यात्रा को यशस्वी बनाएं और परिवर्तन का हिस्सा बनें।

जोहार साथियों,

हागा ओडो मीसी को नेन JMM ओडो काँग्रेस अ चकाओ ओडो भ्रष्ट जन विरोधी सरकार दो अबु झारखण्ड रेन जनता को के खून रेया आंसू राआ तेह मजबूर के बुअऐ दलाल ओडो माफिया ओडो भ्रष्ट अफसर को आबुआ **रोटी-बेटी-ओडो** आबुआ झारखंड रेया हसा को रेजबुआ को सोबेन परदेसवासी कोआ दिल रे परिवर्तन रेया लहर गुंजाओ तना आबुआ जरुरत रेया आशा बायी केते भाजपा परिवर्तन रैली ते मौसा केते हर प्रखंड ओडो सोबेन ओडाह सोबेन परिवार तोक बु तेबाआया आबुआ भाजपा पार्टी हर एक झारखंडवासी को भरोसा ओमाकोतनाए ची **रोटी-बेटी-ओडो** आबुआ हासा को बचाव लगीद **आबुआ मीयदगे विकल्प मेनाह भाजपा ऐनाते हीजुपे सोबेन जोडाओनपे ऐनाते यात्रा बु सफल बु बाइया ओडो परिवर्तन रेया हिस्सा बु बाइना**

जोहार संगियारो,

झामुमो आरा कांग्रेस गही ठगबंधन ही भ्रष्ट आरा आलार गही विरोधी सरकार झारखंड ता आलार ही खेंस ही खंजलखो चीखता गे लाचार नंजकी रई। दलाल आरा माफिया और भ्रष्ट अफसर ही तुष्टिकरण नू लीन एडपंता परिवारवादी ताकतन मिलाबआ की एम्हाय **असमा- कूके खद्द - खज्जेन** बच्चा लग्नार। हुमि प्रदेश वासी ही जिया नू बदलारआ गे लहरे चोआ लगकी रई। आलार गही आसरा ही आस बनआ की भाजपा परिवर्तन रैली ही माध्यम ती हुर्मी प्रखण्ड, आरा एडपा, आरा एडपनता आलार हेदे अंडसो। एम होर्मा ओंटा झारखंडी आलारिन भरोसा चीडम की **असमा - कूके खद्द - खज्जेन** बछाबआ गे **ओंटे केला आसरा रई, आद ही के भाजपा।** बारआ होर्मे संगे मनोत की यात्रा रुपी डहरेन दव कमओत बदलरका हिस्सा बनओत।

न सहेंगे,
न कहेंगे,
बदल के रहेंगे

मीमूर्खामूर्ख
(बाबूलाल मरांडी)



आजाद सिपाही



रांची हेडवार्टर से
नहीं, गांव से चलायी
सरकार: हेमंत सोरेन

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव कैबिनेट से मंजूर

- विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे
- अगले 100 दिन में निकाय चुनाव
- नवंबर-दिसंबर में बिल आयेगा



कमेटी रिपोर्ट सौंप चुकी है

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर विचार के लिए बनायी गयी पूर्ण राष्ट्रपति राज्यालय की अध्यक्षता वाली कमेटी 14 मार्च को शास्त्रीय दोपांति मुर्मु के अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट 18 हजार 626 पन्नों की है। पैनल 2 सितंबर 2023 के बनाव गया था। कमेटी ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया है।

सता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने



'भरत ऐतिहासिक चुनाव सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। यह स्वयं औं विवेचन स्वरूप से कुशल चुनावों के माध्यम से बाहर लोकत्र को मजबूत करने और संसाधनों के अधिक उत्पादक आवंटन के माध्यम से आर्थिक विकास में तेजी लाने की मोदी जी की दृष्टिभावी को दर्शाता है।'



'1961 से 1957 तक इलेक्शन एक साथ करने जाते थे। 1999 में लॉकमीट वे लोकसभा और विधानसभा इलेक्शन अलग-लगाने की सिफारिश की थी। हमारी कंस्टर्नेशन प्रॉसेस का दौरान देशभर से 80 फौसदी लोगों ने बन नेशन न इलेक्शन को प्रणित रेस्पास किया है। खासकर युवाओं ने सोपोर्ट किया है।'



'कंग्रेस पार्टी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव का विशेष करती है। हमारा मानना है कि लोकत्र को जीवित रखने के लिए जब भी जरूरत हो चुनाव होने चाहिए। चुनाव नजदीक आते हों, तो असली मुर्दू से व्याव भटकाने के लिए भाजपा ऐसा बात करती है।'



'संघ परिवार भारत की चुनावी रेस की ओर लोकत्र का गुप प्रयास कर रहा है। वर्ती, गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा था कि सरकार इसी कार्यकाल में 'बन नेशन वन इलेक्शन' लागू करेगी।'

राष्ट्रपति आज आयेंगी
रांची, तैयारी पूरी



रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रपति दोपांति मुर्दू दो दिवालीय दिनों पर जून तक लॉकमीट उच्चत्र प्रसारकरण संस्थान के शताब्दी समारोह में बौद्ध मुख्य अतिथि घिसकत करेंगी। झारखंड के राज्यपाल सतीष कुमार गवाहार और भारतीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत कई गणमान्य इम खास अवसर पर मौजूद होंगे।

(संबंधित खबर पेज-5 पर)

केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्णय ऐतिहासिक: बाबूलाल मरांडी



रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा द्याएं देश, एक चुनाव के प्रस्ताव को स्वीकृत किये जाने पर खुशी व्यक्त किया है। मरांडी ने कहा कि यह निर्णय ऐतिहासिक है तथा दूरदृशी सोच का परिवार्यक है। यह नियम भरत जैसे विशाल लोकतान्त्रिक देश की चुनाव प्रणाली के मजबूती प्रदान करेगा। देश में बहुमत्पूर्ण संसाधनों की बचत होगी, साथ ही विकास योजनाएं सुचारू ढंग से गतिशील बनी रहेंगी। मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदाउं एवम शुभकामनाएं दी और आभार प्रकट किया है।

भाजपा नेता लगातार गिर्द की

मुख्यमंत्री ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर साधा निशाना भाजपा अकेले देश में राज करना चाहती है, आप इनको सबक सिखाइयेगा: हेमंत सोरेन



गांव से चलने वाली सरकार है

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अभी-अभी पता चला है कि 'बन नेशन वन इलेक्शन' का केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वीकृति दी गयी है। ये लोग चाहते हैं कि एक ही दल राज करे, एक ही सरकार रहे। चाहे देश हो या राज। अब दूसरी कोई सरकार नहीं। सिफ़े ये सांप्रदायिक सौभार्द बिगाड़ने वाले लोग, ये सामंत लोग राज करने की फिराक में हैं। आप तैयार रहियेगा। एक तरफ पूँछीपतियों की ये जमात और दूसरी तरफ गरीब, अदिवासी, दलित, पिछड़े, अंडियां आदि विवरणों की जमात। इनको लोकसभा चुनाव में ये सीख मिली है, वही विधानसभा में सीख विधानसभा में ये देने की जरूरत है। लोकसभा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम की तुष्टिकरण करते रहे। नरीजा ये हुआ कि पूरे देश की जमात ने भाजपा को 6 इंच छोटा कर दिया। मुख्यमंत्री बुधवार को 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम में शमिल होने में लगी रहती है। इसके पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जम कर निशान साधा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैसा गरीबों की जमात हैं। ये देने की इच्छा है।

बाबूलाल मरांडी जो नहीं है। ये फैस

